पाठ 10. आगे मिलेंगे

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को लालच न करने की सीख देना है। कभी-कभी लोग लालच में आकर और अधिक ही चाह रखने लगते हैं जिससे कभी न कभी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह पाठ बच्चों को लालच के परिणाम से अवगत करवाते हुए मेहनत से कोई चीज़ प्राप्त करने हेतु प्रेरित करता है।

कविता का सारांश

सुब्बा स्वामी नाम का एक सेठ था। एक दिन उसे नारियल की चटनी खाने का मन हुआ इसलिए वह नारियल लेने बाज़ार गया। दुकानदार ने सेठ को दस रुपए का एक नारियल बताया। फिर सेठ आगे की दुकान पर गया तो वहाँ पर दस के दो नारियल मिल रहे थे लेकिन सुब्बा ने सोचा कि कितना अच्छा हो अगर दस रुपए में चार नारियल मिल जाएँ। फिर वह आगे तीसरी दुकान पर गया तो वहाँ दस के चार नारियल मिल रहे थे। पर सुब्बा ने दुकानदार से कहा, "दस रुपए के आठ दे दो ना!" तीसरे दुकानदार ने कहा कि आगे नारियल के पेड़ हैं, वहीं से तोड़ लो। सुब्बा पेड़ पर चढ़ गया और खूब सारे नारियल तोड़ लिए। परंतु उतरते समय उसे डर लगने लगा। उसने कहा कि जो मुझे बचाएगा उसे दो हज़ार रुपए दूँगा। रुपए की बात सुनकर कुछ व्यापारी सेठ को पेड़ से उतारने के लिए दौड़ पड़े।

अध्यापन संकेत

पाठ पढ़ाने से पूर्व **पहले पहल** में दिए गए प्रश्न और विषय पर चर्चा करते हुए पाठ की पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से पूछें कि क्या उन्होंने नारियल की चटनी खाई है, उन्हें चटनी कैसी लगती है, और किन-किन चीज़ों की चटनी उन्होंने खाई है आदि। उन्हें बताएँ कि दक्षिण भारत में नारियल के पेड़ अधिकतर पाए जाते हैं। वहाँ के लोग इडली-डोसा के साथ नारियल की चटनी खाते हैं। अब पाठ का वाचन करें। बच्चों से भी एक-एक अंश पढ़वाएँ। बीच-बीच में बच्चों से पाठ से संबंधित चर्चा करते रहें ताकि उनकी रुचि बनी रहे।

बच्चों से पूछिए तथा उन्हें समझाइए–

- इस पाठ से उन्हें क्या सीख मिली?
- क्या आपने कभी ऐसा किया है कि कम पैसे में अधिक सामान के लिए आप दो-चार दुकानों पर गए हों।
- नारियल का प्रयोग खाने में, तेल बनाने में तथा उनके पत्तों का प्रयोग झाड़ू बनाने में किया जाता है। नारियल का प्रयोग कई त्योहारों के शुभ अवसरों पर भी किया जाता है।
- पाठ में निहित मूल्यों से बच्चों को अवगत कराने का प्रयास करें। उन्हें बताएँ कि मेहनत का फल मीठा होता है और कोई भी चीज़ मेहनत से हासिल करनी चाहिए।
- मुफ़्त की चीज़ों तथा लालच से दूर रहना चाहिए।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।